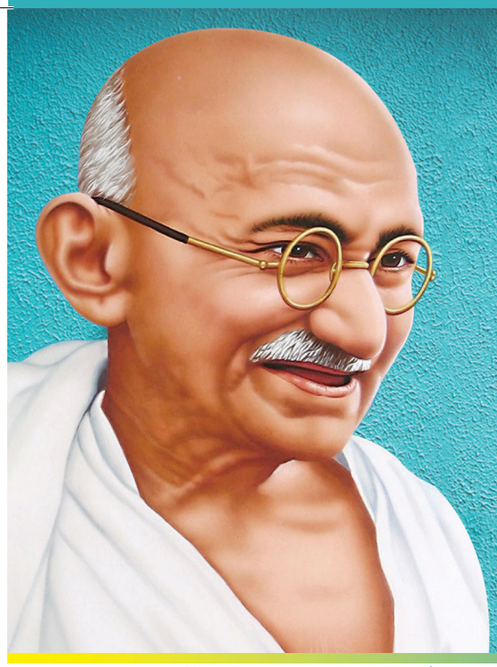

"शिक्षा से मेरा अभिप्राय बालक या मनुष्य के शरीर, मस्तिष्क या आत्मा के सर्वांगीण एवं सर्वोत्तम विकास से है"
- महात्मा गाँधी

कनेक्ट

वर्ष .- 5, अंक -7 जुलाई 2019

शिक्षा गुणवत्ता एवं समावेशन कार्यक्रम (EQUIP) - भारत में उच्च शिक्षा में बदलाव के लिए

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा विभाग ने प्रत्येक मंत्रालय के लिए पंचवर्षीय विज़न प्लान - शिक्षा गुणवत्ता एवं समावेशन कार्यक्रम - EQUIP को अंतिम रूप दिया तथा 29 जून 2019 को इसका विमोचन किया, जिसे वर्ष 2019 – 24 के दौरान लागू किया जायेगा। रिपोर्ट मानव संसाधन मंत्री माननीय श्री रमेश पोखरियाल, भारत सरकार को सौंपी गई। पूर्व राजस्व सचिव श्री हसमुख अधिया, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार श्री के विजय राघवन, नीति आयोग के सीईओ श्री अमिताभ पंत, इनफ़ोसिस के पूर्व सीईओ क्रिस गोपालकृष्णन तथा रेड इफ़ डॉट कॉम के संस्थापक अजित बालकृष्णन, पूर्व कुलपति एवं शिक्षाविदों के अलावा रिपोर्ट में 50 प्रस्तावों पर ज़ोर दिया गया जो उच्च शिक्षा विभाग क्षेत्र में परिवर्तन करेगा। यह रिपोर्ट उच्च शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने, बेहतर शिक्षण प्रक्रियाओं, उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने, शासन में सुधार, मूल्यांकन, मान्यता और रैंकिंग प्रणाली को बढ़ावा देने, शोध और नवीन खोजों को प्रोत्साहन देने, रोजगार और उद्यमिता, तकनीकी तक आसान पहुँच तथा अंतरराष्ट्रीयकरण और उच्च शिक्षा के लिए वित्तीयन पर ज़ोर देती है। EQUIP, उच्च शिक्षा प्रणाली के लिए स्कूली शिक्षा के सर्व शिक्षा अभियान के रूप में समान ही होगा।

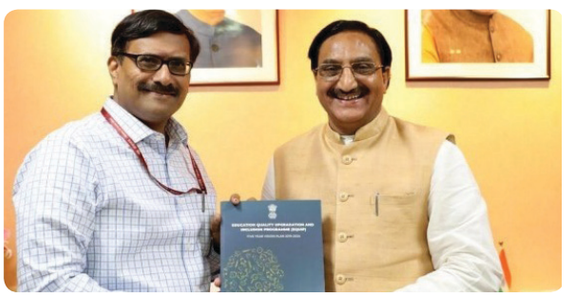

ग्रामीण सहभागिता पर आगामी राष्ट्रीय सम्मलेन!

एमजीएनसीआरई जुलाई 2019 में हैदराबाद में ग्रामीण अनुबंध पर तीन, दो-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मलेन आयोजित कर रहा है। इन सम्मेलनों का उद्देश्य विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा ग्रामीण समुदाय के क्षेत्र में चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए ज्ञान और अभ्यास का एक ढांचा बनाने हेतु आवश्यक शक्ति और प्रोत्साहन प्रदान करना है। हम प्रतिभागी संस्थानों और उनके संसाधनों, रिसोर्स पर्सन और लॉजिस्टिक पर्सन से इन पहलुओं को अपने विभिन्न संकाय विकास कार्यक्रमों में शामिल करने के लिए समर्थन देने की उम्मीद करते हैं। मानव संसाधन विकास केंद्र विभिन्न विश्वविद्यालयों में जनशक्ति विकास के रणनीतिक रूप से शीर्ष संस्थान होने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अब यह माना गया है कि विभिन्न एचआरडीसी (HRDCs) में भाग लेने वाले संकाय सदस्यों को अपने गावों और पड़ोसी गावों के स्थानीय समुदायों से जुड़ने की आवश्यकता है। यूजीसी ने हाल ही में विश्वविद्यालयों / उच्च शिक्षा संस्थानों को समुदायों के साथ जुड़ने की आवश्यकता की बात दोहराई है। क्षेत्रीय समन्वय संस्थान (RCI) उन्नत भारत अभियान में एक एक प्रेरक भूमिका निभाने का कार्य करते हैं। हम एक प्रभावोन्मुखी बदलाव में विश्वास करते हैं। इसीलिए, इन संस्थानों के महत्व द्वारा ग्रामीण भारत की सकारात्मक और प्रगतिशील ग्रामीण सहभागिता का पोषण करने के लिए विभिन्न अवधारणाओं को सहयोग देने और समझने की आवश्यकता है. ग्रामीण प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालयों/HEIs का महत्वपूर्ण योगदान है। अब, ये देश भर के जोशीले पेशेवरों के लिए बड़े पैमाने पर ग्रामीण प्रबंधन साझेदारी और विस्तार का समय है। एक संयुक्त विकास के लिए कठिनाइयों से उबरने और ग्रामीण संसाधनों का एक प्रभावी प्रबंधन तैयार करने की तत्काल आवश्यकता है। सामुदायिक अनुबंध सीखने के तरीकों के विभिन्न लाभ हैं क्योंकि इसके छात्र बाद में सहभागिता अभ्यास भी सीखते हैं, जीवन कौशल सीखते हैं और कार्यक्षेत्र की चर्चा से लाभ उठाते हैं। ग्रामीण अनुबंध एक सहभागी दृष्टीकोण है खुले विस्तारित क्षेत्र की पूछताछ पर आधारित और कार्य उन्मुखी है। यह व्यावहारिक और अनुभवात्मक है. इन कार्यशालाओं से ग्रामीण वास्तविकताओं के अन्वेषण और अध्ययन में सहायता मिलेगी।

6 और 7 जुलाई ग्रामीण सहभागिता के साथ सहभागी अध्ययन और क्रियान्वयन

13 और 14 जुलाई ग्रामीण मग्नता प्रबंधन

20 और 21 जुलाई ग्रामीण प्रबंधन शिक्षा

संपादक की टिप्पणी

मुझे इस बात पर गर्व महसूस होता है कि जुलाई में हमारे पास ग्रामीण अनुबंध पर तीन आगामी राष्ट्रीय सम्मलेन हैं। यह सम्मलेन देश भर में यूजीसी, एचआरडीसी, आरसीआई और विश्वविद्यालयों/ उच्च शिक्षा संस्थानों के अधीन ओरिएंटेशन और संकाय विकास कार्यक्रमों में सामुदायिक अनुबंध अभ्यास और प्रतिभागी अध्ययन व् कार्यवाई को शामिल करने के महत्व के संबंध में संकायों और अन्य उच्चाधिकारियों के साथ जुड़ेंगे। जैसे कि, आप सहमत होंगे कि ग्रामीण भारत को आगे बढ़ने के लिए उपयुक्त और पर्याप्त ग्रामीण प्रबंधन विशेषज्ञता की ज़रूरत है क्योंकि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण भारत में विकास के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध हैं। भारतीय जनसँख्या के दो तिहाई लोग ग्रामीण हैं जबकि दुनिया के 30% गरीब ग्रामीण भारत से हैं। बड़े और भारी संसाधनों से युक्त ग्रामीण विकास पहल और राज्य संस्था, कॉर्पोरेट और नागरिक संगठनों के प्रभावी प्रबंधन स्पष्ट रूप से दीर्घकालीन, विस्तृत और विरोधरहित विकास की कुंजी है. लेकिन संगठनों, लघु और मध्यम ग्रामीण उपक्रमों और ग्रामीण स्वव्यवसाय निर्माताओं से संबंधित विकास कार्यक्रमों पर पर्याप्त व्यावसायिक प्रबंधन दक्षताओं के निर्माण पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है – इनमें सभी को बड़े, स्वनिवेशकों शहरी व्यवसाय उद्यमों की तुलना में अलग अलग प्रबंधन उन्मुख और क्षमताओं की आवश्यकता होती है। वास्तव में पर्याप्त विचार, उपक्रम और संसाधनों के निवेश के विपरीत सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों के द्वारा कॉर्पोरेट उपक्रमों के लिए पेशेवर प्रबंधकों के निर्माण में निवेश किया जाता है यह एक विरोधाभास है। विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा इन सम्मेलनों में ग्रामीण अनुबंध के क्षेत्र में चुनौतियों का हल निकालने की कोशिश की जाती है। हमारे यहाँ प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहे हैं जहाँ इंस्टिट्यूट ऑफ़ रूरल मैनेजमेंट आनंद (IRMA) से प्रतिभागी मौजूद हैं साथ ही वे बड़े उत्साह से काम कर रहे हैं। अपने प्रशिक्षण के एक अंग के रूप में वे कड़े प्रशिक्षण कार्यक्रमों से गुज़र रहे हैं, उत्कृष्ट शिक्षाविदों के साथ गोलमेज सम्मलेन संचालित कर रहे हैं, ग्रामीण प्रबंधन के पाठ्यक्रम पर तत्काल समय पर कार्य कर रहे हैं और ग्रामीण मग्नता कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। ग्रामीण अनुबंध पर होने वाले आगामी सम्मेलनों में भी वे महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

मैं उच्च शिक्षा के लिए ऐतिहासिक पंचवर्षीय योजना का अभिवादन करता हूँ – EQUIP – जिसका उद्देश्य, भारत में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2019 पर एमजीएनसीआरई द्वारा अनुभवात्मक अध्ययन के तत्वों के रूप अनिवार्य व्यावसायिक शिक्षा के साथ गंभीरता से अध्ययन किया जा रहा है। हमनें नवीन NEP पर कार्यशालाएं आयोजित की हैं और हमारे निष्कर्षों, सुझावों तथा अनुरोधों को शिक्षा, खास तौर पर ग्रामीण शिक्षा के लिए अपने योगदान के हिस्से के रूप में मंत्रालय को पेश करना चाहते हैं।

डॉ डब्लू जी प्रसन्ना कुमार

अध्यक्ष, एमजीएनसीआरई

आगामी तीन राष्ट्रीय सम्मेलनों के द्वारा एमजीएनसीआरई की ग्रामीण सहभागिता के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित की गई है। भारत में ग्रामीण प्रबंधन शिक्षा ने प्रबंधन व्यवसाय में एक महीन किन्तु स्थिर और प्रभावी धारा का निर्माण किया है। अब देश में पर्याप्त ग्रामीण प्रबंधन क्षमताओं को विकसित करने के लिए विशिष्ट योजना की तरफ आवश्यक कदम बढ़ाने का समय है। इन सम्मेलनों के माध्यम से हम विभिन्न स्तरों पर ग्रामीण प्रबंधन शिक्षा में विस्तार, मानकीकरण और सुधार हेतु रणनीति बनाने के लिए संस्थानों, शिक्षाविदों, उद्यमियों तथा अन्य प्रमुख सहभागियों को एक साथ लाने का प्रयास करते हैं। एमजीएनसीआरई, सम्पूर्ण संरचना के एक भाग के रूप में प्रासंगिक पाठ्यक्रम विकसित करके देश के सभी जिलों में स्नातक स्तर पर ग्रामीण प्रबंधन शिक्षा को प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव रखता है।

सम्मेलनों में शामिल ध्यान केन्द्रित करने वाले क्षेत्र –

- स्नातक, स्नातक, प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और सतत शिक्षा कार्यक्रमों के लिए आवश्यक राज्य सहायता के साथ विभिन्न आवश्यकताओं और जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न स्तरों और प्रकारों के ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रमों का विस्तार।
- ग्रामीण प्रबंधन शिक्षा में आवश्यक योग्यता और अभिविन्यास वाले युवाओं के लिए एक विशेष प्रवेश प्रक्रिया का विकास।
- मानकीकृत पाठ्यक्रम और गुणवत्ता आश्वासन प्रक्रियाओं का विकास।
- फिल्ड में मूलभूत ज्ञान विकसित करने के लिए केस स्टडी, पाठ्यपुस्तकों तथा ऑडियो विज़ुअल तत्वों से व्यवस्थित अनुसन्धान के लिए ज्ञान सामग्री का विकास.
- फिल्ड के लिए उचित रूप से प्रशिक्षित / उन्मुख संकाय का विकास। विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा ग्रामीण प्रबंधन के क्षेत्रों में चुनौतियों का सामना करने के लिए ज्ञान का अभ्यास करने के लिए एक निकाय का निर्माण किया जाना अनिवार्य है।

मैं उन सम्मेलनों के परिणामों और आने वाले नतीजों लिए तत्पर हूं जो ग्रामीण और राष्ट्रीय विकास में योगदान करेंगे।

देश के लिए EQUIP को विश्व स्तर पर सबसे अच्छे स्थान पर लाने के लिए भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने और अगले पांच वर्षों में प्रणाली में एक परिवर्तनकारी परिवर्तन लाने के लिए बहुपक्षीय बढ़ावा एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

डॉ भरत पाठक

उपाध्यक्ष एमजीएनसीआरई

बीबीए इन रूरल मैनेजमेंट पाठ्यक्रम के पाठ्यक्रम विकास पर गोलमेज

ग्रामीण प्रबंधन में बीबीए के लिए पाठ्यक्रम विकास पर एक गोलमेज सम्मेलन 28 जून को आयोजित किया गया था। प्रतिभागी IRMA के प्रशिक्षु थे जो कार्यों के एक समृद्ध संग्रह पर काम कर रहे हैं, जिनमें हैं, जल, स्वच्छता और साफ़ सफाई पर पाठ्यक्रम विकसित करना, ग्रामीण प्रबंधन में बीबीए पर एक पाठ्यक्रम विकसित करना और प्रतिभागी ग्रामीण मूल्यांकन और सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रमों पर काम। डॉ एम भास्कर राव एसोसिएट प्रोफेसर IBS हैदराबाद, और प्रो वी वेंकटकृष्णन डीन केआईआईटी स्कूल ऑफ रूरल मैनेजमेंट के विशेषज्ञ प्रतिभागियों के साथ डॉ डब्ल्यू जी प्रसन्ना कुमार अध्यक्ष एमजीएनसीआरई, डॉ के एन रेखा, सीनियर फैकल्टी एमजीएनसीआरई और IRMA इंटर्न तान्या सिन्हा, एवी जैन तथा ऑर्कोपाल साहा।

प्रो भास्कर राव ने कहा कि प्रारूपिक बीबीए कॉर्पोरेट जरूरतों को पूरा करता है। ग्रामीण क्षेत्र में और अधिक विकास की आवश्यकता है। वर्तमान में, ग्रामीण क्षेत्र में कार्यकर्ताओं की कमी है। ग्रामीण प्रबंधन में बीबीए के लिए विशिष्ट आवश्यकताएं हैं। इसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम के रूप में व्यवहार किया जाना चाहिए और वित्तीय व्यवहार्यता होनी चाहिए। निजी विश्वविद्यालय और बीमा, म्यूचुअल फंड, माइक्रो फाइनेंस, हेल्थकेयर (आयुष्मान भारत) सेक्टर बीबीए स्नातकों के संभावित नौकरी देने वाले क्षेत्र हैं। राज्य स्तर के अलावा संघ और जिला स्तरों में प्रशिक्षित उद्यमी होने की आवश्यकता है। हमें ग्रामीण संसाधनों के प्रबंधक के रूप में छात्रों को प्रशिक्षित करना चाहिए। बीबीए को औसत से निचले दर्जे के एमबीए पाठ्यक्रम की जगह स्थानांतरित करना होगा। प्रो वेंकटकृष्णन ने उन विषयों और पाठ्यक्रमों को सुलझाने की आवश्यकता पर बात की जो ग्रामीण प्रबंधन में बीबीए के लिए संभव होंगे : जहाँ ध्यान स्थानीय कृषि-वस्तुओं और माइक्रोफाइनेंस पर दिया जा सकता है जिसे बीबीए के स्नातक आसानी से समझ सकते हैं। प्रतियोगिता आवश्यक है। पाठ्यक्रम के जिला स्तर पर होने की आवश्यकता है।

महत्वपूर्ण बिंदु –

- आवश्यकता-आधारित पाठ्यक्रम विकसित करना।
- 18 विश्वविद्यालयों ने एमबीए इन रूरल मैनेजमेंट पाठ्यक्रम में चर्चा शुरू की है।
- आईआरएमए में 7-दिवसीय एफडीपी का आयोजन।
- कुमाऊं विश्वविद्यालय ने ग्रामीण प्रबंधन में पाठ्यक्रम शुरू किया है।
- स्वच्छता अभियान योजना के भाग के रूप में - अपशिष्ट प्रबंधन और
- सामाजिक उद्यमिता पाठ्यक्रम का विकास किया गया।
- सरकार सफाई पर बल देती है। इसलिए बीबीए इन रूरल मैनेजमेंट में सफाई (Wash) को शामिल करना चाहिए।
- बहुविषयक उच्चविद्यालयों की आवश्यकता है।
- रूरल मैनेजमेंट के छात्रों का चयन करने के लिए एक विशेष एजेंसी और परीक्षा होनी चाहिए।

एमजीएनसीआरई अध्यक्ष ने कहा कि हमारा लक्ष्य, एमबीए के लिए फीडर श्रेणी बनाना नहीं है। हमें छात्रों को एफपीओ (FPOs) और सहकारी समितियों के साथ काम करने में सक्षम बनाना चाहिए। पाठ्यक्रम के सुझावों में मूलभूत और कार्यात्मक पाठ्यक्रमों में विषयों का विभाजन शामिल है। ग्रामीण क्रेडिट को एक पाठ्यक्रम के रूप में भी प्रस्तुत किया जा सकता है। विशेषज्ञता स्थानीय विविधता पर आधारित होनी चाहिए और इसलिए विविधता को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत सूची पर विचार करने की आवश्यकता है।

UBA पर वेबिनार – 4 जून

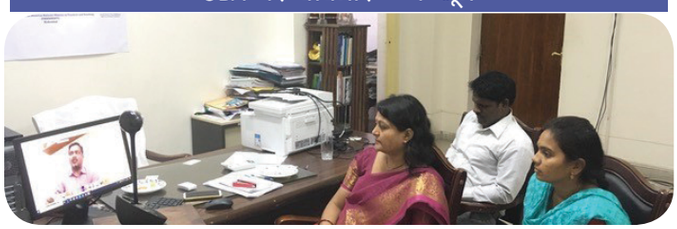

कार्यशाला - रूरल कम्युनिटी एंगेजमेंट एंड रूरल इमर्शन - पार्टिसिपेटरी लर्निंग एंड एक्शन एंड पीआरए टूल्स - एचआरडीसी यूनिवर्सिटी ऑफ़ हैदराबाद, तेलंगाना – 14 और 15 जून

हैदराबाद के एचआरडीसी विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में अखिल भारतीय, शिक्षा विभाग और इससे सम्बद्ध विभिन्न कॉलेजों से अति उत्साही 28 प्रशिक्षक मौजूद रहे। डॉ यूजीसी एचआरडीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय के निदेशक वाई नरसिम्हुलु ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और एमजीएनसीआरई के साथ सहयोग का स्वागत किया। उन्होंने प्रतिभागियों से कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लेने और सामुदायिक सहभागिता अभ्यास के लिए साथ आने का आग्रह किया, जिससे राज्य के प्रशिक्षकों और स्कूली छात्रों को लाभ होगा। कार्यशाला का समग्र उद्देश्य यूजीसी-एचआरडीसी की महत्वाकांक्षा के अनुरूप संकाय विकास कार्यक्रम में सामुदायिक सहभागिता अभ्यास और प्रतिभागी अध्ययन तथा कार्रवाई के समावेश के महत्व के बारे में प्रशिक्षकों और अन्य प्रतिभागियों के बीच गतिविधियों में संलग्न करना था। उद्घाटन के बाद, MGNCRE रिसोर्स पर्सन, सरवानी पांडे और बी प्रभाकर ने कार्यक्रम और दो दिवसीय कार्यशाला की पृष्ठभूमि और उद्देश्यों को साझा किया। इसके बाद, प्रतिभागी अध्ययन और कार्यान्वयन पर एक विस्तृत प्रस्तुति आयोजित की गई। यहां, सुविधाकर्ताओं ने रैपिड ग्रामीण मूल्यांकन का वर्णन किया, जिसका उपयोग शुरू में ग्रामीण समुदायों के आकलन के एक तरीके के रूप

में किया गया था, जिसके बाद पीआरए / पीएलए, जो अनुसंधान और मूल्यांकन के क्षेत्र में काफी नए शब्द हैं। PRA / PLA का उपयोग करने का मूल उद्देश्य प्रतिभागियों को सूचित किया गया है, जो मुख्य रूप से प्रतिभागियों की उचित और संरचित जरूरत मूल्यांकन का संचालन करने की क्षमता को बढ़ाता है, जो गांवों में व्यवहार्य समाधान प्रदान करने के लिए आवश्यक है। प्रस्तुति के इस भाग ने पीएलए अभ्यास को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए मार्ग का अनुसरण करने के लिए संबोधित किया। अभ्यास के विभिन्न साधनों को बड़े पैमाने पर ट्रांसक्ट वॉक, सामाजिक मानचित्रण, संसाधन मानचित्रण और वेन आरेख पर ध्यान केंद्रित करके समझाया गया था। सत्र तीन में एक मॉडल गाँव के एक वृत्तचित्र की स्क्रीनिंग शामिल है – जो है, हिवरेबाजार। प्रतिभागियों को अपनी टिप्पणियों को रिकॉर्ड करने और उन्हें पांच के समूहों में प्रस्तुत करने के लिए कहा गया - प्रत्येक समूह ने गांव की सफलता के लिए अपनी व्यक्तिगत टिप्पणियों की व्याख्या की। प्रतिभागियों को एचआरडीसी के साथ केंद्र के रूप में परिसर के चारों ओर एक चक्कर लगाने के लिए कहा गया था। टिप्पणियों को रिकॉर्ड किया गया और प्रदर्शन किया गया। कमेता गांव में ग्रामीण मग्नता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 2582 की आबादी के साथ कमेता चेवेल्ला उपजिला का चौथा सबसे अधिक आबादी वाला गांव है।

एफडीपी – सातवाहन यूनिवर्सिटी करीमनगर – तेलंगाना – 28 जून से 4 जुलाई

सातवाहन विश्वविद्यालय (एसयू) में ग्रामीण समुदाय अनुबंध पर 7-दिवसीय एफडीपी एसयू के 35 प्रतिभागियों के साथ जिसमें 15 एसयू संबद्ध पीजी कॉलेजों और एमजीएनसीआरई रिसोर्स पर्सन, सुश्री झाँसी के साथ चल रही है। प्रोफेसर यू उमेश कुमार रजिस्ट्रार, एसयू मुख्य अतिथि थे, जबकि गेस्ट ऑफ ऑनर प्रोफेसर टी. भरत डीन सीडीसी, एसयू थे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ ई मनोहर प्राचार्य वाणिज्य विभाग, सातवाहन विश्वविद्यालय।

कार्यशाला - जेबी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी हैदराबाद तेलंगाना में यूबीए रूरल कम्युनिटी एंगेजमेंट - 19 और 20 जून

श्री जे.वी. कृष्णा राव सचिव के साथ डॉ नीरज उपाध्याय प्राचार्य और डॉ पटनायक एचओडी ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और एमजीएनसीआरई के साथ सहयोग का स्वागत किया। उन्होंने 33 संकाय सदस्यों से कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लेने और सामुदायिक भागीदारी पाठ्यक्रम के साथ आने का आग्रह किया, जिससे राज्य के छात्रों को लाभ होगा। उन्होंने वर्तमान शिक्षा प्रणाली में क्षमता, आत्मविश्वास निर्माण, सहिष्णुता और कौशल के इर्द-गिर्द घूमते हुए ग्रामीण सामुदायिक सहभागिता के एकीकरण का भी स्वागत किया। श्री सुब्रह्मण्यम प्रोफेसर, श्री विग्नेश शारीरिक निदेशक और श्री नालती चंदना चंद्रिया सरपंच ने भी कार्यशाला में भाग लिया। संकाय विकास कार्यक्रमों को आयोजित करने पर चर्चा हुई ताकि सामुदायिक सहभागिता को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा सके। MGNCRE रिसोर्स पर्सन रमेश वाविलला ने कार्यक्रम और कार्यशाला की पृष्ठभूमि और उद्देश्यों को साझा किया। उन्नत भारत अभियान पर एक वीडियो प्रस्तुत किया गया जिसमें हमारे माननीय केंद्रीय मंत्री मानव संसाधन विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल ने समुदाय के साथ मिलकर काम करने और ग्रामीण लोच और शक्ति का निर्माण करने के लिए उच्च शिक्षा में सभी पाठ्यक्रमों की आवश्यकता के बारे में बात की। इसके बाद समूहों में काम करने वाले प्रतिभागियों ने अपने पाठ्यक्रमों और उनके परिणामों में वर्तमान समुदाय अनुबंधों के उपक्रमों को सूचीबद्ध किया।

గ్రామాల్లోకి ఉన్నత విద్యాసంస్థలు

నవతెలంగాణ-మొయినాబాద్

ఆధునిక కాలంలో గ్రామాభివృద్ధితో దేశాభివృద్ధి సాధ్యమని గ్రామాభివృద్ధికి కృషి చేస్తూ ఉన్నత విద్యాసంస్థలు గ్రామాల వైపు మొగ్గుచూపుతున్నాయి. ఎంహెచ్ఆర్డీ సంస్థ ఆధ్వర్యంలో ఉన్నత విద్యా అభియాన్ అంశంపైన రెండు రోజులుగా మొయినాబాద్ మండలంలోని జెబిఐటీ ఇంజనీరింగ్ విద్యాసంస్థ నందు అవగాహనా సదస్సు నిర్వహించడం జరిగింది. ఎంహెచ్ఆర్డీ సంస్థ ప్రతినిధి ప్రొఫెసర్ రమేష్ వావిలాల మాట్లాడుతూ.. ఈ సంస్థ ముఖ్య ఉద్దేశం ఉన్నత విద్యా సంస్థలన్నీ కలిసి సమగ్ర గ్రామీణాభివృద్ధికి, గ్రామ స్వయం సమృద్ధి, సుస్థిరతకు పాటు పడాలని పిలుపునిచ్చారు. గ్రామాల్లో ఉన్నత విద్యా ప్రమాణాల అవగాహనకు, ప్రభుత్వ పథకాలు సామాన్యులు కూడా సద్వినియోగపరచుకునే విధంగా సులువైన మార్గాలను తెలియజేసే విధంగా ఈ సదస్సు తోడ్పడుతుందని ఆయన పేర్కొన్నారు. స్వతహాగా గ్రామాల్లోని పరిస్థితులను తెలుసుకుని గ్రామ వనరుల వినియోగాన్ని ప్రజల్లో అభివృద్ధిపై చైతన్యం నింపుతూ గ్రామాలాభివృద్ధికి తోడ్పడతాయని పేర్కొన్నారు. గ్రామాలను అతి దగ్గరగా పరిశీలించి విషయాలను విశ్లేషించి గ్రామ సమస్యలపైన విస్తారంగా చర్చించి సమస్యలకు సరైన సమాధానం పొందేలా ఉన్నత విద్యా సంస్థలు గ్రామాలకు గ్రామ ప్రజలకు సహాయపడతారని ఆయన వివరించారు. ఈ కార్యక్రమాన్ని పురస్కరించుకుని వారు మండలంలోని ఎనికేపల్లి గ్రామాన్ని సందర్శించారు. జీబీఐటీ కళాశాలకు సంబంధించిన ముప్పై అయిదు మంది అధ్యాపకుల బృందం కలిసి ఎంకేపల్లి గ్రామంలో ఈ అవగాహనా సదస్సు నిర్వహించారు .ఈ కార్యక్రమంలో జీబీఐటీ సెక్రెటరీ జెవి కృష్ణారావు, ప్రిన్సిపాల్ నీరజ్, ఉపాధ్యాయ, హెచ్ఓడీ పట్నాయక్, సుబ్రహ్మణ్యం, ఎంబీఏ ప్రొఫెసర్, యోగా టీచర్, ఫిజికల్ డైరెక్టర్ విఘ్నేష్, ఎనికేపల్లి గ్రామ సర్పంచ్ నాలాటి చెందన చంద్రయ్య, గ్రామస్తులు పాల్గొన్నారు.

यूबीए पर दो दिवसीय कार्यशाला - 12 इंजीनियरिंग कॉलेजों के यूबीए समन्वयक ने स्फूर्ति इंजीनियरिंग कॉलेज, हैदराबाद तेलंगाना में भाग लिया - 26-27 जून

27 जून को गिवरेली गांव का दौरा

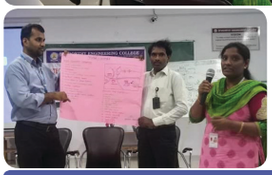

अनुराग ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस मेडचल जिला तेलंगाना में दो दिवसीय कार्यशाला - 21-22 जून

एफडीपी - सागर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस यूरेला चेवेल्ला तेलंगाना - 24 - 28 जून

గ్రామీణ ప్రాంత అభివృద్ధిలో భాగస్వాములు కావాలి

डॉ नागासिवानंद, डायरेक्टर, फूड एंड एग्री बिजनेस स्कूल, सागर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस (SGI) ने दो दिवसीय ग्राम मग्नता यात्रा के बाद, उरला गाँव में, यह कहा किया कि, निरंतर सामुदायिक विकास समय की आवश्यकता है और यह एसजीआई, चेवेल्ला संकाय और छात्रों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से अपने गाँव में और अधिक गावों को शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह समग्र भारत के

निर्माण में मदद करने के लिए ज्ञान संस्थानों का लाभ उठाकर ग्रामीण विकास प्रक्रियाओं में परिवर्तनकारी उन्नत भारत अभियान की दृष्टि के भी अनुरूप है। रिसोर्स पर्सन एमएस पद्म जे, एमजीएनसीआरई, द्वारा 24 जून से 28 जून 2019 तक एमबीए और फूड एंड एग्री बिजनेस स्कूल संकाय के लिए 5-दिवसीय एफडीपी का आयोजन किया गया। FDP के भाग के रूप में, सागर ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूट के प्रशिक्षकों ने PRA और PLA तकनीकों पर तीन दिनों के कक्षा प्रशिक्षण के बाद 2 दिनों के लिए उरेला गाँव में ग्रामीण मग्नता कार्यक्रम का संचालन किया, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र, ग्रामीण नवाचारों के लिए विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों के बारे में तथा गांव की कार्य योजना कैसे विकसित की जाए इस बारे में सीखा। यह संस्थान स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार नवीन समाधानों और प्रौद्योगिकियों के माध्यम से सतत विकास में छात्रों को सम्मिलित कर गांव में सरकारी कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए प्रक्रियाओं को विकसित करके उरेला गांव के साथ काम करने का उद्देश्य रखता है। उरेला गाँव के सरपंच श्री जहाँगीर ने अपने गाँव के विकास के प्रति संस्था के समर्थन का स्वागत किया।

गोलमेज सम्मेलन – एचआरडीसी (HRDC) नॉर्थ ईस्टर्न हिल्स यूनिवर्सिटी (NEHU) शिलांग मेघालय में रूरल कम्युनिटी इंगेजमेंट - 6 जून

विश्वविद्यालय के गणमान्य व्यक्तियों में प्रो एस श्रीवास्तव कुलपति एनईएचयू, प्रो राकेश मोहन निदेशक यूजीसी एचआरडीसी एनईएचयू, डॉ कुहेली बिस्वास, असिस्टेंट। निदेशक ने एन.एच.यू. प्रो दिलीप कुमार चक्रवर्ती वरिष्ठ प्रशिक्षक एमजीएनसीआरई, ने सभी का स्वागत करते हुए गोलमेज सम्मेलन के उद्देश्यों को साझा करके चर्चाओं की शुरुआत की।

उन्होंने ग्रामीण शिक्षा के महात्मा गांधी राष्ट्र परिषद के मिशन, दृष्टि और उद्देश्यों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी और उच्च शिक्षा / विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम और अध्यापन में उन्हें नई तालीम, प्रायोगिक शिक्षा, सामुदायिक व्यस्तताओं और अपशिष्ट प्रबंधन शिक्षा के विकास और उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए एमजीएनसीआरई के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने क्षमता निर्माण और ज्ञान वृद्धि लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए NEHU के उच्च मान्यता प्राप्त यूजीसी एचआरडीसी से उत्कृष्ट योगदान का उल्लेख किया और ग्रामीण सामुदायिक सहभागिता के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रमों की सुविधा में एचआरडीसी (HRDC) के साथ एमजीएनसीआरई से सहयोग के संभावित तरीकों को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि उद्देश्य और उद्देश्य संकाय को सामुदायिक सहभागिता में संलग्न करने में सक्षम बनाना है और इस तरह क्षेत्रीय और राष्ट्रीय विकास में भाग लेना है। प्रो राकेश मोहन ने सुझाव दिया कि इस कार्यक्रम को कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए यूजीसी प्रायोजित और निर्देशित ओरिएंटेशन कार्यक्रमों में शामिल किया जा सकता है।

एचआरडीसी (HRDC) में गोलमेज सम्मेलन, डायरेक्टर, NEHU, शिलांग

गोलमेज सम्मलेन – एमबीए प्रोग्राम इन वेस्ट मैनेजमेंट और सोशल एंटरप्रेन्योरशिप का परिचय- सिनॉड कॉलेज, एनईएचयू संबद्ध, मेघालय – 6 जून

डॉ आर.एन. लिंडो प्रिंसिपल, सिनोद कॉलेज, डॉ डी वर वाईस-प्रिंसिपल, डॉ एम रानी समन्वयक आईक्यूएसी (IQAC) और प्रशिक्षक, डॉ सीआर लिंडो, एचओडी पॉलिटिकल साइंस विभाग और डॉ चार्ल्स रूबेन लिंडो, विश्वविद्यालय के गणमान्य व्यक्ति रहे, जो एमजीएनसीआरई के वरिष्ठ संकाय द्वारा की गई कार्यवाही के साथ गोलमेज सम्मेलन में उपस्थित थे, प्रो दिलीप कुमार चक्रवर्ती नई तालीम के विकास में एमजीएनसीआरईआर के योगदान, प्रायोगिक शिक्षा, सामुदायिक सहभागिता और अपशिष्ट प्रबंधन शिक्षा पाठ्यक्रम में विस्तार और उन्हें मेघालय में उच्च शिक्षा / विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र में मुख्यधारा में लाने के साथ-साथ, उन्होंने क्षमता निर्माण और ज्ञान वृद्धि प्राप्त करने में सिनॉड कॉलेज के उत्कृष्ट योगदान का भी उल्लेख किया। MGNCRE के सहयोग से सिनॉड कॉलेज के साथ अपशिष्ट प्रबंधन और रूरल कम्युनिटी इंगेजमेंट और वेस्ट मैनेजमेंट पर एफडीपी कार्यक्रमों के संचालन में संभावित तरीकों पर चर्चा की गई। प्रो चक्रवर्ती को रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया और पी एन संगमा फाउंडेशन तथा मेघालय बेसिन डेवलपमेंट आथोरिटी के सहयोग से 6 से 7 जून 2019 को सिनॉड कॉलेज द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में जल संकट व् सतत विकास को समझने के लिए नई तालीम अनुभवात्मक अध्ययन और ग्रामीण समुदाय सहभागिता पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया जहाँ मेघालय के माननीय मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में हिस्सा लिया। माननीय मुख्यमंत्री श्री कॉनराड संगमा श्री डी के चक्रवर्ती के साथ मेघालय में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में अपशिष्ट प्रबंधन और ग्रामीण सामुदायिक सहभागिता पाठ्यक्रम शुरू करने के बारे में चर्चा करने के लिए अपने सी.एम. सचिवालय में मिले।

सिनॉड कॉलेज मैनेजमेंट में गोलमेज सम्मेलन, एनईएचयू से सम्बद्ध

मेघालय में अपशिष्ट प्रबंधन में एमबीए शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री श्री कॉनराड संगमा के साथ सीएम सचिवालय में बैठक

प्रो दिलीप चक्रवर्ती, वरिष्ठ प्रशिक्षक, एमजीएनसीआरई को शासकीय उच्चाधिकारियों द्वारा अनुभवात्मक अध्ययन, सामुदायिक सहभागिता और अपशिष्ट प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, शिलांग में पेपर प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया

कुलपति, कृष्णकांत हैंडीक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी असम, के साथ गोलमेज सम्मेलन

एफडीपी - एंटरप्राइज़ डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (EDI) कोलकाता - 24 से 28 जून

डॉ जी पी सरकार, चेयरमेन ईडीआई, प्रो अशोक कुमार बनर्जी अध्यक्ष, कलकत्ता मैनेजमेंट असोसिएशन एंड काउंसिल मेंबर, आल इंडिया मैनेजमेंट असोसिएशन प्रोएसएम गोम्ज़ – डायरेक्टर, ईडीआई पांच दिवसीय एफडीपी में उच्चाधिकारी गणमान्य अतिथि रहे। प्रो डी के चक्रवर्ती ने सहभागी अध्ययन और कार्यात्मक गतिविधियों के बारे में समझाया। उन्होंने प्रतिभागियों को ग्रामीण दौरे के दौरान ग्रामीण मग्नता से जुड़ी बातें याद रखने के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इसके बाद प्रतिभागियों द्वारा इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किया गया। अपशिष्ट प्रबंधन सत्र आयोजित किए गए। इस के हिस्से के रूप में, घरेलू अपशिष्ट पदार्थों से मशरूम कल्चर, होम कम्पोस्टिंग, अपशिष्ट से कलाकृतियों का प्रदर्शन किया गया। सभी प्रतिभागियों ने अपशिष्ट पदार्थों से काम करके सीखने का आनंद लिया। एमजीएनसीआरई प्रशिक्षक ने भागीदारी पर और एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट के माध्यम से भागीदारी और कार्यान्वयन के माध्यम से सीखने में कैसे सुधार होता है इस पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने ग्रामीण मग्नता के उपाय बताए और ग्रामीण दौरे में पीएलए गतिविधियों के लिए व्यक्तिगत प्रतिभागियों के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों द्वारा केन्द्रिय समूह चर्चाओं के माध्यम से ग्रामीण समुदाय सहभागिता पर चर्चा की। प्रो अविजीत, घोष प्रधान तकनीकी अधिकारी (वैज्ञानिक) सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट कोलकाता ने अपशिष्ट उत्पादों के विभिन्न स्रोतों और पर्यावरण पर इसके प्रभाव पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कचरे को धन में परिवर्तित करने में शामिल प्रक्रिया की ओर इशारा किया। उन्होंने फ्लाई ऐश से ईंटों के उत्पादन में अपने स्वयं के वास्तविक जीवन के अनुभवों को साझा किया। बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट के लिए अस्पताल का दौरा किया : सभी प्रतिभागी कोलंबिया एशिया अस्पताल गए जहां उन्हें अपने अस्पताल में जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन पर एक विस्तृत पीपीटी प्रजेंटेशन दिखाई। प्रो एसएम गोम्स ने उद्यमिता की तैयारी के बारे में एक प्रेरक सत्र लिया और उन्होंने सभी प्रतिभागियों को ईडीआई (EDI) से हर तरह की सहायता का आश्वासन दिया।

एफडीपी – द्रविड़ियन यूनिवर्सिटी कुप्पम आंध्रप्रदेश – 17 से 21 जून

ग्रामीण मग्नता और सामुदायिक सहभागिता पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो एस पैन्चालिया, रजिस्ट्रार I/C, प्रो डी श्रीनिवास कुमार डीन, अकेडमिक अफेयर्स द्वारा किया गया। डॉ आर यसोदा, एचओडी, एजुकेशन संयोजक के रूप में मौजूद रहे। एमजीएनसीआरई के रिसोर्स पर्सन, एम साईकिरन थे। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रो डी श्रीनिवास कुमार ने भारत में ग्रामीण क्षेत्रों के साथ उच्च शैक्षणिक संस्थानों को जोड़ने की आवश्यकता के बारे में बात की, क्योंकि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था के रीढ़ की हड्डी है। उन्होंने कहा कि द्रविड़ियन यूनिवर्सिटी भविष्य में कुछ गांवों को गोद लेने की कोशिश करेगा। प्रो पेंचाल्या ने कहा कि यह एफडीपी गाँवों की गतिशीलता को समझने में बहुत उपयोगी है, और विश्वविद्यालय में ग्रामीण क्षेत्रों के सामुदायिक जुड़ाव और उत्थान को शामिल किया जा सकता है। प्रतिभागियों को प्रमुख सिद्धांतों, पीएलए के लिए प्रयास, सफल पीएलए और पीएलए घटकों के बारे में बताया गया। संवादात्मक विचार-विमर्श किया गया और ग्रामीण मग्नता मैनुअल पर चर्चा की गई। पोरुगुपल्ली और चिकटपल्ली गांवों का दौरा फिल्ड के हिस्से के रूप में किया गया जहां सरपंचों से मुलाकात की गई और प्रतिभागियों ने गांव में पीएलए / पीआरए गतिविधियों का संचालन किया।

एफडीपी – वी बी पूर्वांचल यूनिवर्सिटी जौनपुर उत्तरप्रदेश – 5 से 9 जून

25 प्रतिभागियों के साथ स्कूल और शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रायोगिक शिक्षण नई तालीम और कार्य शिक्षा पर राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय, सिंगरामऊ, जौनपुर में पांच दिवसीय एफडीपी का आयोजन किया गया। एफडीपी के प्रमुख उद्देश्यों में प्रायोगिक शिक्षण की दृष्टि और दर्शन को समझना था - गांधीजी की नई तालीम पाठ्यचर्या, 'तीन एच' के माध्यम से प्राप्त कौशल और ज्ञान का अनुभव और अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधियों में भाग लेने के माध्यम से प्रभाव, गांधीजी के शिक्षा और दर्शन के लक्ष्यों को समझने के लिए नई तालीम के पीछे, खोज जो राज्य पहले से ही नई तालीम को लागू कर रहे हैं, उनके राज्यों में नई तालीम/अनुभवात्मक अध्ययन की सफलताओं पर चर्चा करते हुए, NCF 2005, RTE 2009, NCFTE 2010 और नई तालीम के बीच महत्वपूर्ण संबंधों पर चर्चा और प्रस्तुति, करते हैं, स्कूल छात्रों के संदर्भ में प्रासंगिक पहचान करते हैं और विभिन्न पृष्ठभूमि और व्यवसायों से बीएड छात्र-शिक्षक और बी एड कॉलेजों और स्कूल के छात्रों में छात्र शिक्षकों द्वारा सामुदायिक सहभागिता पर विचार साझा करते हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ सर्वानंद पांडे, पूर्व डीन, शिक्षा संकाय, वीबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने किया। इस अवसर पर आरएचएस के प्रबंधक कुंवर जय सिंह, डॉ एन.के.सिंह, प्रिंसिपल, आरएचएस महाविद्यालय, डॉ सुधीर कुमार, पर्यावरणविद्, वीबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय और अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण के साथ कार्यक्रम का पहला सत्र शुरू हुआ। पर्यावरण संबंधी समस्याओं के संबंध में नई तालीम की प्रासंगिकता पर चर्चा की गई जिसमें प्राचार्य डॉ एन.के. सिंह ने वसुधैव कुटुम्बकम के मूल्यों को विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि धरती से अंतरिक्ष तक पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सके। विशिष्ट अतिथि डॉ अजय कुमार दुबे एसोसिएट प्रोफेसर, टी.डी. पीजी कॉलेज ने कहा कि एक उद्देश्य के साथ स्वच्छता को एक मिशन के रूप में लेने की जरूरत है। विशिष्ट अतिथि डॉ अजय कुमार दुबे एसोसिएट प्रोफेसर, टी.डी. पीजी कॉलेज ने कहा कि एक उद्देश्य के साथ स्वच्छता को एक मिशन के रूप में लेने की जरूरत है। उद्घाटन सत्र का समापन प्राचार्य डॉ एन.के. सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित कर किया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ अंजनी कुमार मिश्रा ने किया। क्षेत्र भ्रमण का आयोजन ग्राम नबीपुर, जौनपुर में किया गया। ग्राम प्रधान श्री बेचन राम, खंड विकास अधिकारी श्री अजय कुमार, पूर्व वरिष्ठ ब्लॉक प्रमुख श्री ओंकार नाथ मिश्रा और मानव चेतना मंच के सामाजिक कार्यकर्ता के साथ गाँव के अन्य महत्वपूर्ण लोग उपस्थित थे। प्रतिभागी सुश्री सुनीता मिश्रा और सुश्री प्रीति सिंह ने घरेलू हिंसा और व्यक्तिगत स्वच्छता के संबंध में ग्रामीण महिलाओं के लिए एक परामर्श सत्र आयोजित किया। एफडीपी के 5 वें और आखिरी दिन सभी प्रतिभागियों ने अपने पौधों की सिंचाई की। इस दिन के मुख्य और विशिष्ट अतिथि डॉ योगेन्द्र नाथ सिंह पूर्व डीन फैकल्टी ऑफ एजुकेशन, वीबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय और डॉ विजय प्रताप सिंह, सचिव, वीबीएसपीयू शिक्षक संघ रहे। उन्होंने इस तरह की पहल के लिए एमजीएनसीआरई की सराहना की जो वास्तव में छात्रों के व्यवहार में चिंतनशील परिवर्तन ला रहे हैं।

एफडीपी – चौधरी बंसीलाल यूनिवर्सिटी भिवानी हरियाणा – 26 से 30 जून

ग्रामीण मग्नता और सामुदायिक सहभागिता पर पांच दिवसीय एफडीपी का उद्घाटन एडीसी डॉ मनोज कुमार (मुख्य अतिथि) तथा प्रोफेसर डॉ आर डी शर्मा ओएसडी, डीन और एचओडी एडीसी द्वारा किया गया। ग्राम यात्रा का आयोजन पीआरए / पीएलए के लिए तिगरान, भिवानी में किया गया।

एचआरडीसी (HRDC) बीपीएस महिला विश्वविद्यालय खानपुर सोनीपत हरियाणा में बैठक

CBLU भिवानी में रजिस्ट्रार डॉ जेके भारद्वाज डीन एचओडी, डीईओ और प्रशिक्षकों के साथ गोलमेज बैठक - 3 जून

एचआरडीसी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में ग्रामीण मग्नता और सामुदायिक सहभागिता पर प्रतिभागियों के साथ अभिविन्यास कार्यक्रम - 6 जून

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी में आरसीबी और यूबीए पर प्रोफ़ेसर डॉ सथंस और प्रशिक्षक के साथ गोलमेज सम्मेलन वार्ता – कुरुक्षेत्र – 10 जून

कश्मीर - शिक्षा बोर्ड की बैठक - शिक्षा विभाग कश्मीर विश्वविद्यालय - विशेषज्ञ - डॉ रानू, दिल्ली, जम्मू विश्वविद्यालय से डॉ मुबारक सिंह, कश्मीर विश्वविद्यालय से, डॉ नदीम कश्मीर विश्वविद्यालय से और डीन और प्रमुख डॉ निघत बासु डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशन सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी।

ग्रामीण समुदाय अनुबंध और ग्रामीण मग्नता पर एचआरडीसी जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय दिल्ली में ओरिएंटेशन प्रोग्राम - 27 जून

एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय मुंबई महाराष्ट्र में प्रो.शशिकला वंजारी कुलपति के साथ, डॉ मीना कूटे, प्रिंसिपल और बीओएस अध्यक्षा तथा डॉ प्रद्न्या वाकपेंजन, एचओडी, एजुकेशन, के साथ एक दिवसीय कार्यशाला

ग्रामीण समुदाय अनुबंध और ग्रामीण मग्नता पर एचआरडीसी जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय दिल्ली में ओरिएंटेशन प्रोग्राम - 27 जून

प्रोफेसर राजपूत, हेड, सामाजिक कार्य विभाग और कर्मचारियों के साथ गोलमेज बैठक – डॉ एचएसजी यूनिवर्सिटी सागर मध्य प्रदेश

रचनात्मक नन्हीं उँगलियाँ!

कश्मीर - अंतर्राष्ट्रीय मृदा दिवस समारोह के भाग के रूप में क्ले एक्टिविटी – आई मॉडल केजी स्कूल्स गांदरबल

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

उच्च शिक्षा विभाग

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

5-10-174, शक्कर भवन, ग्राउंड फ्लोर, फ़तेह मैदान रोड, हैदराबाद, तेलंगाना - 500 004.

तेलंगाना राज्य. दूरभाष: 040-23422112, 23212120, फैक्स: 040-23212114 ई-मेल: editor@mgncre.in, वेबसाइट: www.mgncre.org

संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यूजी प्रसन्ना कुमार, अध्यक्ष एमजीएनसीआरई, डॉ. डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया वी और शिवराम जी,

श्री पी मुरली मनोहर सदस्य-सचिव एमजीएनसीआर द्वारा प्रकाशित

सत्यमेव जयते

Where there is Rural Wellbeing there is Universal Prosperity